

श्रीमद् बुद्धिसागरसूरि ग्रंथमाला अंशक १०६.

विश्वबंध श्रीमद् बुद्धिसागरसूरिष्वरेभ्यो नमः

प्रातःस्मरणिय, जगतपूज्य, योगनिष्ठाध्यात्मज्ञानद्विवाकर,
महाडवि, आलम्बहार्यारी, पंडितप्रवर, शताधिक-
अधालेपक, साहित्याचार्य शास्त्रविशारद,
सूरिसम्राट् आचार्य महाराज

श्रीमद् बुद्धिसागरसूरि

स्मारक ग्रंथ

ज्योती प्रसिद्ध केतार.

श्री अर्ध्यात्मज्ञान प्रसारके मंडण

दा. पंडीत गायनलाल हीमवट.

पाठश.

संवत् १९८२.

पृष्ठ २०००

१९२६.

वडोदरा, बुद्धिबुद्धिक दृष्टि वि. प्रेसमा अंगणवालय पिड्डलमाध ४३३
प्रकाशक मन्त्रि-कायु. ता. १०-२-२६.

सुधरेदी किमत ३। ७/५०